VISION IAS
R N 17 SEP 2017 NO. 03
RECEIVED

VISION IAS

www.visionias.in

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 874)

Name of Candidate	RHEECHA RATNAM		
Medium Hindi/Eng.	HINDI	Registration Number	A680
Center	RAJENDRA NAGAR	Date	17/09/2017

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1	12.5	
2	12.5	
3	12.5	
4	12.5	
5	12.5	
6	12.5	
7	12.5	
8	12.5	
9	12.5	
10	12.5	
11	12.5	
12	12.5	
13	12.5	
14	12.5	
15	12.5	
16	12.5	
17	12.5	
18	12.5	
19	12.5	
20	12.5	

Total Marks Obtained:

Remarks:

Signature of Examiner

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
2. There are TWENTY questions printed in ENGLISH.
3. All questions are compulsory.
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. Alignment Competence
2. Context Competence
3. Content Competence
4. Language Competence
5. Introduction Competence
6. Structure - Presentation Competence
7. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Answer the following questions in not more than 200 words each:

1. The greatness of the Mughal achievement in the political unification of India was matched by the splendour and beauty of the work of architects, poets, historians, painters and musicians who flourished in the period. Comment.

→ मुगल काल को कला के अनुसार, गुप्त-काल पश्चात् सर्वश्रेष्ठ काल माना जाता है, संगीत - तानसेन, ध्रुपद गायक माना जाता है, अकबर के नौ रत्नों में से एक

1.) मुगल कालीन स्थापत्य कला :-

→ इंडो इस्लामिक शैली का प्रयोग

	इंडो शैली	इस्लामिक शैली
1) प्रवेश द्वार	लिंटल और शहतीर	मेहराब व चापाकार
2) शीर्ष	शिखर	गुंबद
3) भवन निर्माण हेतु प्रयुक्त पत्थर/पदार्थ	मुख्यतः पत्थरों का प्रयोग	सीमेंट, बालू, पत्थर इत्यादि

. मुगल स्थापत्य शैली का महत्वपूर्ण पड़ाव है, हुमायूँ का मकबरा
- लाल बलुआ पत्थर से निर्मित, सफेद पत्थरों का प्रयोग नक्काशी हेतु।
- चारबाग के अंदर अवस्थित।
- अलंकरण हेतु, ज्यामितीय आकृतियों का प्रयोग, उदाहरण - स्वास्तिक

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

• मुगल स्थापत्य शैली की विशेषताएं :-

(i) बलुआ पत्थर व संगमरमर का प्रयोग भवन निर्माण में।

(ii) अलंकरण हेतु, ज्यामितिय आकृतियों का प्रयोग - घंटा, स्वास्तिक।

(iii) पित्रा ड्यूरा की तकनीक का प्रयोग, नक्काशी हेतु।
उदाहरण :- ताजमहल में।

(iv) गुंबद व चापाकार तथा लिंटल - शहतीर पर निर्मित मेहराबों का प्रयोग।

(v) स्थानीय कला शैलियों का प्रयोग - बंगाल की छप्पर, गुजराती शैली
उदाहरण :- फतेहपुर सीकरी का पंचमहल, एतमादुद्दौला का मकबरा, बाग निर्माण, पेड़ पौधे पशु-पक्षी

• मुगल कालीन चित्रकला -

(8.) मुगल कालीन इतिहासकार :-

- मुगल काल में शासकों ने राजकीय इतिहास लेखन में विशेष रुचि ली। उसकी

- बाबर कृत (तुजूक - ए - बाबरी' आत्मकथा थी।

- अकबर ने फारसी में, राजकीय इतिहास लेखन को प्रोत्साहन दिया।
उदाहरण - आईन - ए - अकबरी

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. Traditionally, India had developed wide-ranging water harvesting techniques in keeping with the local ecological conditions and their water needs. Substantiate with examples.

→ भारत में जल संरक्षण की तकनीक प्राचीन काल से प्रचलन में है :-

1.) सिंधु घाटी सभ्यता :-
- धौलावीरा में, दो तालाबों के साक्ष्य प्राप्त हुए हैं, जिनका प्रयोग वर्षा जल संरक्षण हेतु किया जाता था।
- बलूचिस्तान में जाबरबंदों के प्रयोग के साक्ष्य।

2.) मौर्य काल :- चंद्रगुप्त मौर्य के शासन काल में सुनाग में सुदर्शन झील पर बांध का निर्माण, तथा निजी व्यक्तियों द्वारा तालाबों व कुंओं के निर्माण संबंधी उल्लेख प्राप्त होते हैं।

3.) पश्चिमी भारत में, गुजरात के सोलंकी शासकों द्वारा, जल संरक्षण हेतु, विभिन्न संस्थानों का निर्माण — रानी की वाव, गुजरात।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

५) तेलंगाना क्षेत्र में, जहाँ वार्षिक वर्षा का अनुपात कम, काकतीय शासकों द्वारा वर्षा जल संरक्षण हेतु विभिन्न तालाबों का निर्माण कराया गया।

स्पष्ट है कि, जिन क्षेत्रों में वर्षा का वार्षिक औसत कम था, पूर्व में शासकों द्वारा वर्षा जल संरक्षण को प्रोत्साहन दिया जाता था।

- दिल्ली में निर्मित अग्रसेन की बावली व अन्य बावलियां, कुंओं, तालाबों का निर्माण स्थानीय स्तर पर लोगों द्वारा, वर्षा जल संरक्षण हेतु किया जाता रहा है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. Imperial rivalries of 18th Century Europe were played out in India as well. Comment in the context of the Carnatic Wars.

→ भारत में, 18 वी सदी में, आंग्ल-फ्रेंच प्रतिद्वंद्विता, यूरोपीय शत्रुता का ही विस्तार था, जिसकी परिणति, तीन कर्नाटक युद्धों के रूप में हुई।

(1748 में प्रारंभ)

(i) प्रथम कर्नाटक युद्ध :- यूरोप में इंग्लैंड व फ्रांस के मध्य युद्ध शुरू होने के पश्चात्, भारत में भी दोनों शक्तियां आमने-सामने भिड़ गई।

- दक्कन में दोनों कंपनियों के मध्य हुई लड़ाई में फ्रांसीसी विजयी रहे, क्योंकि उन्हें मॉरीशस से फ्रांसीसी नौसेना की सहायता प्राप्त हुई।

(ii) द्वितीय कर्नाटक युद्ध :- भारत आने वाली यूरोपीय व्यापारिक कंपनियों में, फ्रांसीसी सबसे आखिरी में आए। लेकिन भारत में साम्राज्य निर्माण का स्वप्न सर्वप्रथम उन्होंने देखा।

- इसके, फ्रांसीसी गवर्नर ने भारतीय शासकों के आपसी विवादों में हस्तक्षेप का, क्षेत्रीय व आर्थिक

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

लाभ कमाने का प्रयास किया।

- कर्नाटक व हैदराबाद के उत्तराधिकार संबंधी युद्ध में, फ्रांसीसी कंपनी समर्थित दोनों उम्मीदवार विजयी रहें, तथा बदले में उन्हें नार्दर्न सरकार का क्षेत्र प्राप्त हुआ।
- हालांकि अर्काट के युद्ध में क्लाइव के नेतृत्व में, अंग्रेजी सेना ने फ्रांसीसी सेना को पराजित कर दिया।

(iii) तृतीय कर्नाटक युद्ध :- 1757 में प्लासी विजय पश्चात, 1758 में दक्षिण में दोनों देशों के मध्य युद्ध छिड़ा।

- लाली, फ्रांसीसी गवर्नर के व्यवहार व फ्रांसीसी कंपनी की खराब वित्तीय स्थिति तथा साथ ही बंगाल के संसाधनों व नौसैनिक शक्ति से युक्त अंग्रेजी कंपनी की सेना, के मध्य हुए इस युद्ध में, फ्रांसीसी सेना की पराजय हुई।
- इसके साथ ही, भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी एकमात्र यूरोपीय शक्ति रह गई।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. The Lucknow session of 1916 was a watershed event during the freedom struggle of India due to various reasons. Elucidate.

→ 1916 का लखनऊ कांग्रेस अधिवेशन निम्नलिखित कारणों से महत्वपूर्ण है :-

1.) तिलक की कांग्रेस में वापसी :-
- 1907 में सूरत विभाजन पश्चात, अंततः लखनऊ अधिवेशन में, कांग्रेस का गरमपंथी धड़ा, इसमें सम्मिलित हो गया।

2.) लीग - कांग्रेस समझौता :-
- इस अधिवेशन में, मुस्लिम लीग व कांग्रेस के मध्य समझौता हुआ, जिसके अंतर्गत :-
  (i) कांग्रेस ने मुस्लिम लीग की पृथक निर्वाचकमंडल संबंधी मांग को स्वीकार कर लिया।
  (ii) मुस्लिम लीग ने मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में भी आनुपात से कम सीटें स्वीकार की।
- दोनों दलों ने ब्रिटिश शासन से भारत को डोमिनियन स्टेटस देने की मांग की।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3.) गाँधी का भाषण :-

- लखनऊ कांग्रेस अधिवेशन में, गाँधी ने कांग्रेस की सीमित कुलीनवादी नीति पर प्रहार किया।
- उन्होंने, भारत को गाँवों का देश बताया, तथा स्वतंत्रता आंदोलन हेतु कृषकों की भागीदारी को महत्वपूर्ण बताया।

4.) चंपारण कृषक विद्रोह के नेता :

राजकुमार शुक्ल, इस अधिवेशन में गाँधी से मिले, व उन्हें चंपारण में आकर किसानों के आंदोलन का नेतृत्व करने का अनुरोध किया।

स्पष्ट है कि लखनऊ अधिवेशन कांग्रेस की राजनीति का एक अहम पड़ाव बिंदु है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. Reforms initiated by the Justice Party became a model for social affirmative action in the country. Comment.

→ मद्रास प्रेसिडेंसी में, 1919 के मॉन्टेग्यू - चेम्सफोर्ड सुधारों के अंतर्गत हुए चुनावों में, जस्टिस पार्टी, विधायिका के लिए चुनी गई।

- जस्टिस पार्टी, गैर ब्राह्मण पार्टी थी; जिसने सत्ता में आने के पश्चात, गैर ब्राह्मण वर्गों को समाज की मुख्यधारा में लाने का प्रयास किया।

- बाद के वर्षों में, जस्टिस पार्टी का नेतृत्व, ई. वी. रामास्वामी 'पेरियार' के हाथों में गया, जिन्होंने द्रविड़ संस्कृति व भाषा पर बल दिया, तथा गैर-ब्राह्मणों के लिए "आत्मसम्मान आंदोलन" का प्रारंभ किया।

- पेरियार ने, आर्य-द्रविड़ संकल्पना को स्वीकार करते हुए, ब्राह्मणों द्वारा

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

द्रविड़ प्रदेश के आर्यीकरण का आरोप लगाया।

- उन्होंने मूर्तिपूजा व संस्कृत का विरोध किया, जातिप्रथा का समर्थन करने वाले हिंदू ग्रंथों का विरोध किया।

- तमिल भाषा, तमिल संस्कृति पर जोर दिया, जो बाद के वर्षों में 'द्रविड़नाडु' की मांग से जुड़ा।

- 1940 के दशक में जस्टिस पार्टी ने अपना नाम बदलकर 'द्रविड़ कषगम' कर लिया, व स्वतंत्रता पश्चात, तमिलनाडु में गैर-ब्राह्मणों को शिक्षा व रोजगार में आरक्षण, विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं

- मिड डे मिल, सार्वभौम PDS की शुरुआत की।

स्पष्ट है कि जस्टिस पार्टी द्वारा आरंभ किए इन सुधारों का दीर्घकालीन असर पड़ा।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. War in the Korean Peninsula proved to be disastrous for Korea, a missed opportunity for the United States and a defining moment for China. Examine.

→ कोरिया युद्ध को, अक्सर दो महाशक्तियों, सोवियत संघ व अमेरिका के मध्य प्रारंभ हुए शीत युद्ध का विस्तार माना जाता है।

- द्वितीय विश्व युद्ध पश्चात्, कोरिया में, साम्यवादी व उदारवादी नेतृत्व समर्थकों के मध्य युद्ध छिड़ा, जिसमें सोवियत संघ व चीन ने साम्यवादी धड़े का, व अमेरिका ने राष्ट्रवादी धड़े को सैन्य सहायता प्रदान की।

- उत्तर व दक्षिण कोरिया के मध्य युद्ध में, उत्तर कोरिया के सैनिकों द्वारा दक्षिण कोरिया में आक्रमण करने के बाद, अमेरिकी सेना, सहयोग हेतु उतरी।

- अमेरिकी सेना ने, उत्तर कोरियाई सेना को पछाड़ते हुए, चीनी प्रदेशों में प्रवेश किया,

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

जिसके कारण, शीत युद्ध की स्थिति खड़ी हो गई।

- विभिन्न देशों, जिसमें भारत की भी महत्वपूर्ण भूमिका थी, के राजनीयक प्रयासों आया, दोनों धड़ों के मध्य शांति विराम स्थापित हुआ।

- 38° समानांतर रेखा के अनुसार कोरिया का विभाजन, उत्तरी व दक्षिणी के रूप में कर दिया गया।

- उत्तर कोरिया को साम्यवादी सरकार को चीन का समर्थन आज भी प्राप्त हो रहा है, जिसके कारण उसने परमाणु हथियार विकसित किए हैं, तथा अमेरिका को इस संबंध में, निरंतर चेतावनियां देता रहता है।

- हालांकि इस विभाजन का लाभ चीन को मिला, व कोरियाई लोगों को विभाजन का दंश झेलना पड़ा, व अमेरिका, उत्तरी कोरिया की सैन्य चुनौतियों का सामना कर रहा है।

7. The Munich Pact brought neither peace nor stability in relations between European countries, rather it turned out to be an act of appeasement that made war inevitable. Comment.

→ म्यूनिख समझौता (1938), जिसे अक्सर ब्रिटेन की तुष्टीकरण की नीति से जोड़कर देखा जाता है, को द्वितीय विश्व युद्ध के लिए जिम्मेदार ठहराया जाता है।

* तुष्टीकरण की नीति, क्या?

→ 1930 के दशक में ब्रिटेन व बाद में फ्रांस द्वारा जर्मनी, इटली व जापान के संबंध में अपनाई गई विदेश नीति

→ इसके अंतर्गत इन देशों की कुछ मांगों को, ब्रिटेन व फ्रांस ने स्वीकार कर लिया, ताकि शांति बनी रहे।

(i) जर्मनी द्वारा ऑस्ट्रिया, राइनलैंड, व चेकोस्लोवाकिया पर कब्जा।

(ii) जापान का मंचूरिया पर आक्रमण।

• हालाँकि यह नीति, इन देशों को संतुष्ट करने में विफल रही।

* म्यूनिख समझौता क्या?

— 1938 में, हुए म्यूनिख समझौते को

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

तुष्टीकरण की नीति का चरम बिंदु कहा जा सकता है।

- ब्रिटिश प्रधानमंत्री चेम्बरलिन ने, हिटलर द्वारा चेकोस्लोवाकिया के अधिग्रहण को स्वीकार कर लिया गया।
- इसके पश्चात, हिटलर ने, जो जर्मन क्षेत्रों का यूरोप में विस्तार करना चाहता था, पोलैंड पर हमला किया।
- चूंकि पोलैंड के साथ ब्रिटेन व फ्रांस के मध्य संधि थी, फलस्वरूप यह द्वितीय विश्वयुद्ध का आरंभ बिंदु बना।

स्पष्ट है कि तुष्टीकरण की नीति अपने उद्देश्य में असफल रही।

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. Explain how Gandhi's non-violent philosophy influenced Martin Luther King Jr.'s methods. Also discuss the contributions and accomplishments of King to ensure civil rights for all people regardless of race in America.

→ गाँधी के अहिंसा संबंधी सिद्धांतों ने वैश्विक स्तर पर विभिन्न नेताओं को प्रभावित किया - नेल्सन मंडेला, मार्टिन लूथर किंग।

- अमेरिका में नागरिक अधिकार आंदोलन
  - 1860 के दशक में हुए अमेरिकी गृह युद्ध पश्चात्, अमेरिका में दास प्रथा का उन्मूलन कर दिया गया था।
  - अश्वेतों को विभिन्न राजनीतिक अधिकार प्रदान किए गए, इनके बावजूद उनके साथ दोयम दर्जे का व्यवहार, बीसवी सदी के मध्य तक जारी रहा।
  - मार्टिन लूथर किंग जूनियर ने अमेरिका में अश्वेतों को श्वेतों के समान नागरिक अधिकार दिए जाने व समानता का व्यवहार करने हेतु, इस आंदोलन का आरंभ किया, जो गाँधी के आंदोलनों से प्रभावित था।
  - यादी आंदोलनों से

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- इस आंदोलन में अहिंसा का प्रयोग किया गया, तथा शासकों के हृदय परिवर्तन के विचार पर बल दिया गया।
- अश्वेतों के विभिन्न वर्गों का समर्थन प्राप्त हुआ, व अंततः उनके साथ होने वाले भेदभावपूर्ण व्यवहार पर रोक लगा दी गई।
  (i) अश्वेत व श्वेतों के लिए एक ही विद्यालय।
  (ii) अश्वेत, देश के किसी भी पद हेतु योग्य, जिसका परिणाम अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में बराक ओबामा के चयन के रूप में सामने आया।
  (iii) अश्वेतों के साथ भेदभाव का व्यवहार करने वालों को सजा का प्रावधान इ.यादि।

अंततः इस आंदोलन ने विश्व के प्राचीनतम लोकतंत्र को सुदृढ़ किया।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. Apart from the linguistic reorganisation of states, the three language formula was an important part of government policy to address the language question in India. Discuss.

→ भारत में, केंद्र सरकार द्वारा गठित शिक्षा समिति ने, देश (कोठारी समिति) भर के विद्यालयों में, त्रि-भाषा सूत्र - हिंदी, अंग्रेजी व क्षेत्रीय भाषा को लागू करने की सिफारिश की थी।

* त्रि-भाषा सूत्र क्यों?

- स्वतंत्रता पश्चात, भारत में हिंदी को पूरे देश में लागू करने संबंधी केंद्र सरकार की नीति का विरोध दक्षिण राज्यों - विशेषकर तमिलनाडु में व्यापक रूप से हुआ है।

- दक्षिण भारतीय राज्य, तमिल, तेलगु, कन्नड़ को हिंदी से प्राचीन भाषा मानते हैं, तथा उत्तर भारतीय भाषा थोपने का आरोप लगाते हैं।

फलस्वरूप भारत में, अभी भी, अधिकांश कार्यों हेतु अंग्रेजी का प्रयोग, हिंदी के साथ किया जाता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- देश में हिन्दी के प्रसार के साथ, क्षेत्रीय भाषाओं को संरक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से विद्यालयों में त्रि-भाषा सूत्र को लागू करने संबंधी सुझाव, शिक्षा समिति द्वारा दिया गया।
- हालांकि अभी भी इस सुझाव को सरकार द्वारा लागू नहीं किया गया है, क्योंकि इसका विरोध दक्षिणी राज्यों द्वारा हो रहा है।

— भारत में स्वतंत्रता पश्चात्, भाषा के आधार पर राज्यों के पुनर्गठन हेतु हुए आंदोलन पश्चात्, क्षेत्रीयता की भावना विकसित हुई।

हालांकि, इन राज्यों ने देश के आर्थिक विकास में सहयोग किया है, व भाषा, देश के व्यापार, सांस्कृतिक मेल-मिलाप में कोई बाधा नहीं है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. Enumerate the measures for the welfare of Unorganised Workers in India. In the context of problems being faced by 'domestic helps', discuss the need for additional measures to safeguard their interests.

→ भारत की जनसंख्या का अधिकांश श्रम बल, असंगठित क्षेत्र में कार्यरत है।

• असंगठित क्षेत्र में कार्यरत श्रमिकों को विभिन्न चुनौतियों का सामना करना पड़ता है - कम आय, काम करने की सुरक्षा नहीं, सामाजिक सुरक्षा से संबंधित नीतियों की अनुपस्थिति।

* असंगठित क्षेत्र के कर्मचारियों के कल्याण हेतु, निम्नलिखित कदम उठाए जा सकते हैं:-

(i) सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं - पेंशन, बीमा इत्यादि से इन्हें जोड़ना।
- केंद्र सरकार द्वारा आंभ किया गया, अटल पेंशन योजना, आम आदमी बीमा योजना इत्यादि, इस दिशा में सकारात्मक कदम।

(ii) कर्मचारियों को स्मार्ट कार्ड देना, जिससे इनकी पहचान हो सके।

(iii) न्यूनतम आय अधिनियम को और कड़ाई से लागू करना तथा समय-समय पर मुद्रास्फीति के अनुसार उसमें वृद्धि करना।

(iv) स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ देने हेतु, स्वास्थ्य बीमा योजना का प्रसार करना।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

भारत में घरेलू कार्य करने वाले कामगारों की स्थिति अत्यंत चिंताजनक है:-
- उन्हें काम से छुट्टी नहीं मिलती।
- वेतन बेहद कम, शारीरिक श्रम के अनुरूप नहीं इत्यादि।

* घरेलू कामगारों के हितों के संरक्षण हेतु निम्नलिखित कदम उठाए जा सकते हैं:-

(i) घरेलू कामगारों के संबंध में एक सरकारी नीति का निर्माण, जिसके अंतर्गत, उनके काम के घंटे, मासिक अवकाश, न्यूनतम आय संबंधी प्रावधान उल्लिखित हो।

(ii) उन्हें भी विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं- पेंशन, बीमा का लाभ मुहैया कराना।

(iii) इन्हें, अति-पिछड़ा वर्ग (OBC) के अंतर्गत सम्मिलित का आरक्षण का लाभ दिया जा सकता है।

भारत में असंगठित क्षेत्र, अधिकांशतः सरकारी नियंत्रण के बाहर है, जिसके कारण इस पर समुचित ध्यान देने की आवश्यकता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. The manner in which the mentally ill have been treated in India suggests that policy measures alone may not be sufficient to address the challenges faced by them. Discuss.

→ हाल ही में केंद्र सरकार ने मानसिक रोगियों से संबंधित अधिनियम पारित किया।

इस अधिनियम का लक्ष्य, मानसिक रोगियों के मानवाधिकारों का संरक्षण व उन्हें बेहतर चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करना है।

* भारत में मानसिक रोग, चुनौतियां:-

(i) भारत में, समाज के अधिकांश लोगों की मानसिक रोगियों के संबंध में मनोवृत्ति पूर्वाग्रह से प्रभावित रहती है।

(ii) भारत में, कई बार मानसिक रोग को अभिशाप समझा जाता है; तथा परिवार के सदस्यों द्वारा इसे छुपाने का प्रयास किया जाता है।

(iii) अभी भी, मनोचिकित्सकों के पास मनोरोगियों को न जाने का अनुपात बहुत कम, जो इस समस्या की

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

गंभीरता को प्रदर्शित करता है।

* इस संबंध में सुझाव :-

(i) लोगों के मध्य मानसिक रोग से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने के लिए जागरूकता फैलाने की आवश्यकता है।

(ii) स्कूलों व कॉलेजों में छात्रों के मनोवैज्ञानिक परीक्षण को नियमित रूप से किए जाने की आवश्यकता है।

(iii) कुछ सकारात्मक उदाहरणों को लोगों के समक्ष प्रस्तुत करने की आवश्यकता है।

भारत में बढ़ते नगरीकरण, बदलती जीवनशैली इत्यादि के कारण मानसिक रोगियों की संख्या में वृद्धि हो रही है, जो देश को GDP को भी प्रभावित कर रही है। इस दिशा में मानसिक स्वास्थ्य अधिनियम व स्वास्थ्य नीति, 2016, सकारात्मक प्रयास है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. Highlight the characteristics of Particularly Vulnerable Tribal Groups (PVTGs) and discuss the challenges faced by them. Also enumerate the measures taken by the government to address these challenges.

→ PVTG, समूह भारत के सर्वाधिक पिछड़े, निर्धन समुदायों के अंतर्गत आते हैं।

* PVTG : विशेषताएँ

(i) विशिष्ट संस्कृति।

(ii) आर्थिक व सामाजिक रूप से बेहद पिछड़े हुए।

(iii) सर्वाधिक रूप से सुभेद्य वर्ग, उदाहरण :- जोरवे समुदाय।

* PVTG द्वारा सामना की जा रही चुनौतियाँ निम्नलिखित हैं :-

(i) हाशियाकरण की समस्या।

(ii) आर्थिक विकास में पीछे छूटने की समस्या।

(iii) संस्कृति व विशिष्ट जीवन शैली के लुप्त होने का खतरा, विशेषकर विभिन्न

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

विकास परियोजनाओं व पर्यटन के कारण, बाहरी लोगों के आगमन से।

(iv) शोषण का खतरा, यहाँ तक कि भूमि हस्तांतरण जैसी समस्याओं का सामना। ... चुनौती।

(v) आजीविका संबंधी चुनौती।

* सरकार द्वारा इस संबंध में उठाए गए कदम :-

(i) वनबंधु कल्याण योजना, जिसका उद्देश्य आदिवासियों द्वारा सामना की जा रही विभिन्न चुनौतियों का निवारण करना है।

(ii) केंद्र सरकार PVTGs समुदायों की विशिष्ट संस्कृति के संरक्षण को प्रोत्साहन देती है।

(iii) हाल ही में उड़ीसा में, जनजातियों के चहुंमुखी विकास हेतु, जनजातीय सेंटर की स्थापना की गई। PVTG समुदायों के संबंध में केंद्र सरकार पंचशील की नीति का पालन करती आई है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

13. While suburbanisation is a common phenomenon in most urbanising countries, it is occurring at a relatively early stage of India's urban development. Enumerating the reasons behind this development, highlight the challenges it is creating for Indian cities.

→ भारत में शहरीकरण, हाल के वर्षों में तीव्रता से आगे बढ़ रहा है। हालांकि हाल के वर्षों में, Suburbanization की प्रक्रिया में वृद्धि हुई है।
(उपशहरीकरण)

* Suburbanization क्या ?

→

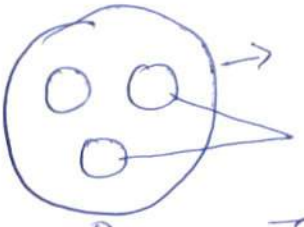

शहरों के अंदर, उपशहरों का निर्माण, जहाँ, बड़ी जनसंख्या का निवास, विभिन्न आर्थिक गतिविधियों की उपस्थिति इत्यादि प्रमुख होती जा रही है। उदाहरण :- दिल्ली के अंदर नई दिल्ली क्षेत्र।

* उपशहरीकरण, कारण ?

(i) एक विशेष क्षेत्र में लोगों का

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

निवास।

(ii) एक विशिष्ट क्षेत्र, जैसे SEZ में विभिन्न उद्योगों का विकास, जिसके आस-पास बाजार केंद्रों, आवासीय केंद्रों का विकास।

* उपशहरीकरण : चुनौती ?

— भारत में शहरीकरण की प्रक्रिया, योजनागत नहीं होने के कारण, कई क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं - पानी, सड़क, निकास प्रणाली इत्यादि की अनुपस्थिति रहती है।

— उपशहरीकरण, एक प्रकार से शहरों के अंदर ही सैटेलाइट शहर के रूप में विकसित हो रहे हैं, जिनसे संबंधित विभिन्न बुनियादी सुविधाओं, सुदा इत्यादि मुहैया कराना, एक चुनौतीपूर्ण कार्य हो गया है।

— आर्थिक सर्वेक्षण 2016-17 में भी उपशहरीकरण की चर्चा की गई है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

14. Various geographical and anthropogenic factors have rendered Brahmaputra Valley susceptible to recurrent floods. Discuss the causes and suggest suitable measures of mitigation.

→ भारत में ब्रह्मपुत्र नदी बेसिन, बाढ़ व वर्षा के दौरान अपने मार्ग बदलने के लिए कुख्यात है।

* ब्रह्मपुत्र नदी घाटी में बाढ़ की समस्या :-

1.) भौगोलिक कारण :-

(i) ब्रह्मपुत्र व उसकी सहायक नदियाँ, भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों के भिन्न क्षेत्रों से प्रवाहित होती है, वह भारी वर्षा का क्षेत्र, फलस्वरूप मानसून के दिनों में नदी जलस्तर में वृद्धि हो जाती है।

(ii) ये नदियाँ पर्वतीय प्रदेशों से होकर बहती हैं, जो अस्थिर है, फलस्वरूप बहुत सा सिल्ट व गाद लेकर प्रवाहित होती है।

- गुंफित वाहिकाओं का निर्माण, अपना ही मार्ग अवरुद्ध कर, विभिन्न धाराओं में बहना।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2.) मानवीय हस्तक्षेप :-

(i) चीन द्वारा बाँध निर्माण, तथा वर्षा के दिनों में बिना पूर्व चेतावनी के जल छोड़ना, यो बाढ़ का एक प्रमुख कारण।

(ii) नदी घाटी में, नदी बेसिन क्षेत्रों में भवन निर्माण, जिसके कारण इन क्षेत्रों में बाढ़ का पानी घुस जाता है।

* ब्रह्मपुत्र घाटी में बाढ़ रोकने संबंधी उपाय :-

(i) बाँधों का निर्माण, किया जा सकता है, हालांकि बाँध बाढ़ रोकने में असफल रहे हैं।

(ii) घाटी में नदी बेसिन क्षेत्र में, मानक बस्तियों व भवनों के निर्माण पर रोक लगानी चाहिए।

(iii) भारत-चीन सहयोग द्वारा ब्रह्मपुत्र नदी के बाढ़ की समस्या के समाधान का संयुक्त प्रयास करना चाहिए। भारत में हर वर्ष बाढ़, मानवीय आपदा को बढ़ा देती है, जिसके समाधान को रोकने की आवश्यकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

15. Give a brief account of Earth's heat budget. Also discuss how increasing concentration of carbon dioxide in Earth's atmosphere effects it.

→ पृथ्वी के ऊष्मा बजट में, सौर विकिरणों के अवशोषण, परावर्तन को सम्मिलित किया जाता है।

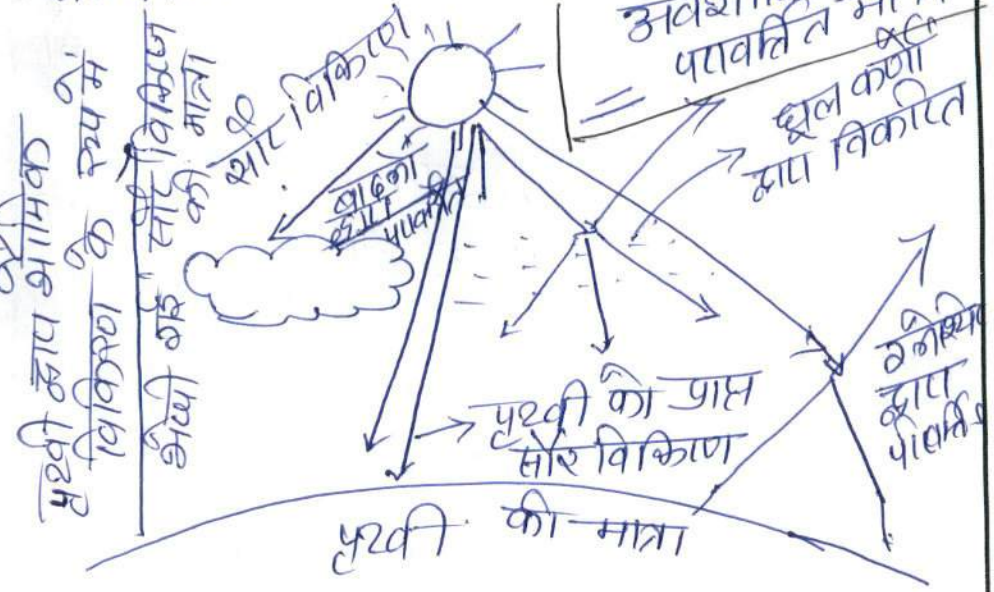

→ सूर्य से आने वाले विकिरण, का कुछ भाग, अंतरिक्ष में बादलों द्वारा परावर्तित, कुछ भाग, धूल-कणों द्वारा विकीर्ण (आकाश का नीला रंग), व कुछ भाग, ग्लेशियरों द्वारा परावर्तित कर दिया जाता है।

• सौर विकिरण की परावर्तित मात्रा जो, पृथ्वी को गर्म करने हेतु प्रयुक्त नहीं, उसे अल्बिडो कहते हैं।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

• पृथ्वी, सौर विकिरण से गर्म होने के पश्चात, भौमिक विकिरण के रूप में, (लंबी तरंगदैर्ध्य वाली किरणें) विकिरण को अंतरिक्ष में भेजती है।

– पृथ्वी के वायुमंडल में उपस्थित, ग्रीन हाउस गैसें (CO_2, CH_4) इस भौमिक विकिरण को अवशोषित कर, पृथ्वी की ओर भेजती हैं। अतः पृथ्वी सौर विकिरण द्वारा न बल्कि भौमिक विकिरण द्वारा अप्रत्यक्ष रूप से गर्म होती है।

* पृथ्वी के ऊष्मा बजट में असंतुलन :-

– पृथ्वी के वायुमंडल में, विभिन्न मानवीय क्रियाकलापों के कारण, CO_2 की मात्रा में वृद्धि हो रही है।

• फलस्वरूप, ग्रीनहाउस गैसों के अनुपात में वृद्धि, जो पृथ्वी को गर्म रखती हैं, जिसके कारण, पृथ्वी के ऊष्मीय ताप में वृद्धि, पृथ्वी के सतह वायुमंडल गर्म, जिसे ग्लोबल वार्मिंग कहा जाता है।

स्पष्ट है कि CO_2 में वृद्धि के कारण, अवशोषित व परावर्तित सौर विकिरणों के संतुलन में असंतुलन पैदा हो गया है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

16. Give an outline of the major geological events that have shaped the present drainage system of Peninsular India. Also, explain why peninsular rivers are unsuitable for navigation but facilitate hydroelectric power generation

→ भारत में प्रायद्वीपीय नदी प्रणाली, प्रौढ़ नदी प्रणाली का उदाहरण प्रस्तुत करती है।

* भूगोलिक कारक व प्रायद्वीपीय नदी प्रणाली :-

(i) हिमालय का निर्माण :- प्रायद्वीपीय भारत, इंडो-ऑस्ट्रेलियन प्लेट का भाग था, जिसके यूरेशियन प्लेट के आघात के परिणामस्वरूप, हिमालय का निर्माण हुआ।

— हिमालय निर्माण से, भ्रंशों का निर्माण, व प्रायद्वीप का पश्चिमी तट उठ गया। फलस्वरूप अधिकांश प्रायद्वीपीय नदियां, पश्चिम से पूर्व की ओर प्रवाहित होती हैं।

(ii) भ्रंश पर्वतों का निर्माण। —

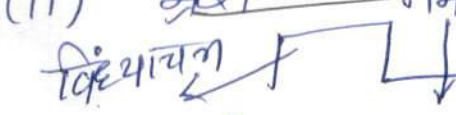

— इसके कारण, नर्मदा व ताप्ती, अपनी भ्रंश घाटियों में प्रवाहित होती है।

(iii) दिल्ली रिज का निर्माण, जो हिमालयी व प्रायद्वीपीय अपवाह तंत्र के मध्य जल विभाजक का काम करती है।

* भारत में, प्रायद्वीपीय नदियाँ, नौवहन हेतु उपयुक्त नहीं, परंतु जल विद्युत उत्पादन हेतु उपयुक्त क्यों?

(i) पहाड़ी व चट्टानी प्रदेश होने के कारण, नदियां विभिन्न जल-प्रपातों का निर्माण करती हैं, जिसका प्रयोग, जल विद्युत उत्पादन हेतु किया जा सकता है।
उदाहरण :- नर्मदा का धुंआधार प्रपात, गोदावरी का पोलावरम के निकट स्थित प्रपात।

(ii) प्रायद्वीपीय नदियां, बारहमासी नहीं है, तथा अपने जल हेतु, वर्षा पर निर्भर है। मानसून के दौरान हुई वर्षा ही इन नदियों के जल का मुख्य स्रोत, फलस्वरूप, नौवहन हेतु उपयुक्त नहीं है।

(iii) विभिन्न बाँधों के निर्माण के कारण, जिनके नदियों में जलमात्रा कम, जिसके कारण, नौवहन विकसित नहीं है। अधिकांश प्रायद्वीपीय नदियाँ, अपना आधार तल प्राप्त कर चुकी है; तथा वर्ष के कुछ महीनों में जल कमी के संकट से ग्रसित रहती है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

17. Elaborate with examples as to how government policies influence the location of industries. Also, mention the steps taken by the Government of India to stimulate industrial activity in backward regions.

→ पूर्व में, उद्योगों की स्थापना, कच्चे माल के स्रोतों व ऊर्जा स्रोत के निकट की जाती थी।
उदाहरण :- बेंगलुरु का सूती वस्त्र उद्योग, जमशेदपुर का लौह उद्योग

- बाद के वर्षों में बाजार व सस्ते श्रम की उपलब्धता, उद्योगों की स्थापना हेतु महत्वपूर्ण कारक हो गए।

- हाल के वर्षों में सरकारी नीति, उद्योगों की स्थापना को प्रभावित करने वाला, सबसे महत्वपूर्ण कारक बन कर उभरी है :-

(i) सरकार द्वारा विभिन्न कर छूटों की घोषणा - उत्पाद शुल्क, अप्रत्यक्ष करों में कटौती।

(ii) सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण करने में कंपनियों की सहायता, जो कि भारत में एक विवादित कार्य है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(iii) सरकार द्वारा, FDI आकर्षित करने हेतु, विभिन्न घोषणाएँ, जो विभिन्न विदेशी उद्योगों को आमंत्रित करती है।

* सरकार द्वारा पिछड़े क्षेत्रों में, औद्योगीकरण को बढ़ावा देने हेतु, निम्नलिखित कदम उठाए गए हैं :-

(i) स्वतंत्रता पश्चात् ही, पिछड़े क्षेत्रों में केंद्र सरकार द्वारा विभिन्न उद्योगों की स्थापना की गई थी।
उदाहरण :- भिलाई, बोकारो स्थापित में।

(ii) पिछड़े क्षेत्रों में उद्योगों को स्थापित करने हेतु, विभिन्न करों में छूट प्रदान की जाती है।

(iii) पिछड़े क्षेत्रों में स्थापित उद्योगों को, प्रोत्साहन राशि (incentives) प्रदान करने संबंधी पहल।

(iv) सरकारी नीति की घोषणा से स्पष्ट है कि सरकार क्षेत्रीय असमानता समाप्त करने हेतु, उद्योगों का के विभिन्न क्षेत्रों में विकसित करने को प्रोत्साहन देती रही है, जो सकारात्मक प्रयास है।

18. Explain, in brief, the process of cloud formation. Also, elucidate how clouds can help in weather forecasting.

→ बादल निर्माण :

→ सौर ऊर्जा द्वारा, जल के वाष्पीकरण की प्रक्रिया का आरंभ।

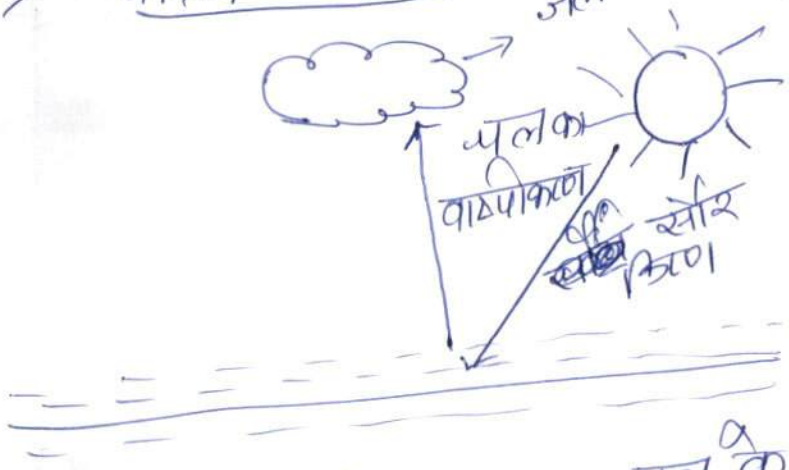

→ वाष्पीकरण
जल [द्रव] ——→ जलवाष्प [गैस]

→ जलवाष्प के रूप में, जल की बूंदों को हवा द्वारा, ऊपर ले जाया जाता है।

→ संघनन की प्रक्रिया
जलवाष्प ——→ बादलों में परिवर्तित।

इस प्रकार, संघनित जल की बूंदें ही बादल हैं, जो जल चक्र द्वारा,

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

नियमित रूप से निर्मित होती रहती है।

* बादलों का प्रयोग : मौसम पूर्वानुमान

हेतु :-

(i) कपासी मेघ, मुख्यतः उपोष्ण क्षेत्रों / उष्ण क्षेत्रों में विकसित, जो कि संवहनीय व चक्रवाती वर्षा हेतु प्रमुख ऊर्ध्वा केंद्र का कार्य करते हैं।

(ii) पक्षाभ व स्तरी मेघ, मुख्यतः सामान्य दिनों में आसमान में दिखते हैं।

- इस प्रकार, आसमान में बादलों की उपस्थिति द्वारा वर्षा व आर्द्रता संबंधी अनुमान लगाने में सहायता मिलती है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

19. The socio-economic and ecological consequences of soil degradation are far-reaching. Discuss. Suggest measures that can be taken to restore soil fertility and arrest soil degradation.

→ मृदा अपरदन, मृदा की उत्पादकता शक्ति में ह्रास का द्योतक है, जिसके विविध सामाजिक-आर्थिक व पर्यावरणीय निहितार्थ हैं :-

(i) मृदा अपरदन को, अक्सर मरुस्थलीकरण के साथ जोड़ा जाता है।
- अर्द्ध शुष्क क्षेत्रों में मृदा अपरदन, मरुस्थलीकरण को प्रोत्साहन देती है।

(ii) कृषकों की आजीविका बुरी तरह प्रभावित होती है।

(iii) कम उत्पादन व क्षेय की समस्या के कारण, किसान कृषि छोड़ अन्य क्षेत्रों में रोजगार के अवसर तलाशा करते हैं।

(iv) मृदा अपरदन, कई बार ग्रामीण क्षेत्रों में प्रवसन को प्रोत्साहन देती है, जिससे ग्रामीण सामाजिक-आर्थिक अवसंरचना प्रभावित होती है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(v) मृदा अपरदन के अंतर्गत, ऊपरी मृदा संस्तर जो सबसे उपजाऊ होता है, का ह्रास होता है, फलस्वरूप यह फसलों व पेड़-पौधों के उगने की प्रक्रिया को प्रभावित करती है।

* मृदा अपरदन को रोकने संबंधी कदम :-

(i) अवनालिका अपरदन को चेक बाँधों के निर्माण द्वारा रोका जा सकता है।

(ii) पर्वतीय प्रदेशों में सीढ़ीदार कृषि व समोच्च रेखाओं के समानांतर कृषि को प्रोत्साहन देकर, मृदा अपरदन रोका जा सकता है;

(iii) उन प्रदेशों में जहाँ मृदा अपरदन मुख्यत: पवन द्वारा संचालित है, वृक्षों की कतार (रक्षक मेखला) द्वारा मृदा अपरदन को कम किया जा सकता है।

मृदा अपरदन, जलवायु परिवर्तन के इस दौर में, एक बड़ी समस्या बनकर उभरा है, जिसके लिए विशेष यथोचित कदम उठाए जाने आवश्यक हैं।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

20. Development of island territories requires a careful balancing of environmental and tribal concerns with exploitation of economic potential. Elaborating on the threats faced by island territories of India, comment on the recent measures proposed by the government regarding their development.

→ भारत में अंडमान - निकोबार द्वीपसमूह व लक्षद्वीप, प्रमुख द्वीपीय प्रदेश हैं।

* द्वीपीय प्रदेश व अधिक क्षमता तथा संबंधित चुनौतियाँ :-

(i) समुद्री संसाधनों से परिपूर्ण क्षेत्र - मत्स्य, विभिन्न वस्तुएं इत्यादि

(ii) प्रवालभित्ती व अन्य, जो इन प्रदेशों में, पर्यटन को प्रोत्साहित करते हैं।

(iii) इन प्रदेशों में विभिन्न जनजातियां निवास करती हैं, जिनमें से अधिकांशतः PVTG's हैं, जिनके सांस्कृतिक - सामाजिक संरक्षण की आवश्यकता है। इन प्रदेशों में विभिन्न आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहन देने के कारण, इन जनजातियों के शोषण

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

का खतरा बढ़ जाता है।

उदाहरण :- जारवे समुदाय के संरक्षण हेतु, बाद के वर्षों में इन प्रदेशों में पर्यटन की गतिविधियों पर रोक लगा दिया गया।

(iv) इसके अतिरिक्त इन क्षेत्रों में जनजातियां वर्षों से पर्यावरणीय अनुकूलन का पालन करती आई हैं, तथा विभिन्न आर्थिक गतिविधियों का प्रोत्साहन, इन क्षेत्रों के पर्यावरणीय संतुलन को बिगाड़ देगा।

* इस क्षेत्र में विकास को प्रोत्साहन देने हेतु, सरकार द्वारा निम्नलिखित कदम उठाए गए हैं :-

(i) PVTG समुदायों के निवास क्षेत्रों में, पर्यावरणीय गतिविधियों पर प्रतिबंध।

(ii) इन क्षेत्रों के, पर्यावरण को बनाए रखने हेतु, प्राकृतिक संसाधनों के अति दोहन पर प्रतिबंध।